सदका करने की फजीलत

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

*तिर्मिज़ी व इब्ने माजा, रावी हजरत अब्दुल्लाह बिन सलाम रदी:> जब रसूलुल्लाहﷺ मदीना मुनव्वरा तशरीफ लाए तो मेने आपके चेहरे मुबारक को गौर से देखा तो मुझे मालूम हुवा की आपﷺ का मुबारक चेहरा उन लोगो के चेहरे जैसा नहीं है जो झूठे होते है. आपﷺ ने सब्से पहले जो बाते इरशाद फरमाई वो ये थी ऐ लोगो! "अस्सलामु अलैकुम" को आम करो, खाना खिलावो, सिला-रहमी करो, रात के वकतो में जब लोग सो रहे हो नवाफिल पढो, तुम सलामती के साथ जन्नत में दाखिल हो जावोगे.

*तिर्मिज़ी, रावी हजरत जाबिर रदी:> रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया हर नेक काम सदका है और नेकियो मेसे एक नेकी ये भी है की आप अपने मुसलमान भाई से खुशी के साथ मुलाकात करे और अपने डोल से अपने भाई के बरतन में पानी डाले.

*नसाई, रावी हजरत जाबिर रदी:> रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया जिस

आदमी ने बंजर ज़मीन को आबाद किया उस्के आबाद करने की वजह से उसे सवाब मिलेगा, और जिस कदर उस मेसे जानवर और परिन्दे खा जाए वो उस्के हक में सदका है.

*तिर्मिजी, रावी हजरत बररा रदी:> रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया जिस आदमी ने दूध देने वाले जानवर या चन्द दिरहम का सदका [दान] दिया या किसी राह भटके हुए को रास्ता दिखाया तो उस्को गुलाम आज़ाद करने के बराबर सवाब मिलेगा.

*तिर्मिज़ी, रावी हजरत आइशा रदी:> मेने एक बकरी ज़िबह करके तकसीम कर दी फिर रसूलुल्लाहﷺ ने पूछा की उस मेसे कुछ बाकी है? मेने जवाब दिया की उस मेसे सिर्फ कन्धे का गोश्त बाकी बचा है. आपने फरमाया कन्धे के गोश्त के अलावा सब बाकी है.
मतलब जो माल सदका कर दिया वो अल्लाह तआला के पास बाकी है और जो मौजूद रहा वो फानी है.

कौन सा सदका अफज़ल है?

*अबू दाउद, रावी हजरत अबू हुरैरह रदी:> मेने अरज़ किया ऐ अल्लाह के रसूल! कौन सा सदका अफज़ल है? आपने फरमाया थोडे माल वाले का, जिसका खर्च मुश्किल से चलता हो और खर्च

करने का आगाज़ अपने घर वालो और बाल-बच्चो से करे.

*तिर्मिज़ी, इब्ने माजा, नसाई, रावी हजरत सुलैमान बिन आमिर रदी:> रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया मिस्कीन पर सदका करना सिर्फ सदका है और रिश्तेदार पर सदका करने का दोहरा सवाब है, एक सवाब सदके का और दूसरा सिला-रहमी का.

*अबू दाउद, नसाई, रावी हजरत अबू हुरैरह रदी:> एक सहाबी ने रसूलुल्लाहﷺ की खिदमत में हाज़िर होकर कहा की;
मेरे पास एक दीनार है, आपﷺ ने फरमाया उसे अपने आप पर खर्च करो.
फिर उसने कहा मेरे पास एक और दीनार है, आपﷺ ने फरमाया उसे अपनी औलाद पर खर्च करो.
फिर उसने कहा मेरे पास एक और दीनार है, आपﷺ ने फरमाया उसे अपनी बीवी पर खर्च करो.
फिर उसने कहा मेरे पास एक और दीनार है, आपﷺ ने फरमाया उसे अपने खादिम पर खर्च करो.
फिर उसने कहा मेरे पास एक और दीनार है, आपﷺ ने फरमाया अब तुम जैसा चाहो खर्च करो.